भारत सरकार **लोक सभा**
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय **अतारांकित प्रश्न सं.1516**
वाणिज्य विभाग

दिनांक 29 जुलाई, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

केले के निर्यात को बढ़ावा देना

1516. श्री जी. सेल्वमः
श्री सी. एन. अन्नादुरईः

क्या **वाणिज्य और उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार केले के निर्यात को प्रोत्साहन और बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकारों, विशेषकर तमिलनाडु को सहायता प्रदान कर रही है;
(ख) यदि हाँ, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रदान की गई योजनाओं, क्षमता निर्माण कार्यक्रमों, अवसंरचना सहायता या निर्यात राजसहायता सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) पिछले तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष के दौरान भारत से निर्यात किए गए केलों की मात्रा और उससे अर्जित विदेशी मुद्रा का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;
(घ) भारत से, विशेषकर तमिलनाडु से केले के निर्यात को बढ़ाने में आने वाली प्रमुख चुनौतियाँ क्या हैं;
(ङ) क्या कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने तमिलनाडु से केले के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कोई विशेष कदम उठाए हैं;
(च) यदि हाँ, तो क्लस्टर विकास, निर्यातोन्मुखी प्रशिक्षण और आयोजित क्रेता-विक्रेता बैठकों का ब्यौरा क्या है; और
(छ) क्या तमिलनाडु से केले के निर्यात को समर्थन देने के लिए केला उत्पादकों और निर्यातकों को कोई वित्तीय सहायता या प्रोत्साहन प्रदान किया जा रहा है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जितिन प्रसाद)

(क) से (छ) वाणिज्य विभाग, कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के माध्यम से, अपनी वित्तीय सहायता योजना (एफएएस) के जरिए, केले सहित अपने अनुसूचित उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए तमिलनाडु सहित देश भर के निर्यातकों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है । इस योजना के तीन घटक हैं: निर्यात अवसंरचना का विकास,

गुणवत्ता विकास और बाज़ार विकास। योजना के दिशा-निर्देश एपीडा की वेबसाइट www.apeda.gov.in पर "स्कीम" टैब के तहत उपलब्ध हैं।

तमिलनाडु से केले के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित विशिष्ट कदम उठाए गए हैं:

i. केले सहित बागवानी उत्पादों के प्रसंस्करण के लिए तमिलनाडु में एक एकीकृत पैकहाउस की स्थापना हेतु एपीडा पंजीकृत निर्यातक को 94,21,637/- रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

ii. वर्ष 2022 में तमिलनाडु से ऑस्ट्रिया तक लाल केले के परीक्षण शिपमेंट के लिए सहायता प्रदान की गई।

iii. भारतीय दूतावास दोहा द्वारा वर्ष 2023 में, कतर में जीआई टैग प्राप्त विरुपाक्षी और सिरुमलाई केले प्रदर्शित किए गए थे।

iv. तमिलनाडु सहित भारतीय केले के प्रदर्शन और सैंपलिंग द्वारा एसआईएएल पेरिस, वर्ल्ड फूड मॉस्को, एशिया फ्रूट लॉजिस्टिका, हांगकांग जैसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेलों में प्रचार-प्रसार किया गया। इंडिया ब्रांड इक्विटी फाउंडेशन (आईबीईएफ) के सहयोग से प्रमुख अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेलों में केले सहित भारतीय फलों के प्रचार और ब्रांडिंग के लिए एक इलेक्ट्रॉनिक अभियान आयोजित किया जा रहा है।

v. भारतीय केले के लिए अवसरों का पता लगाने के लिए मॉस्को में एक क्रेता-विक्रेता बैठक और संवर्धनात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

vi. केले सहित फलों के निर्यात के लिए उत्पाद की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु एपीडा की पैक हाउस मान्यता योजना के अंतर्गत तमिलनाडु में दस पैक हाउस को मान्यता दी गई है।

vii राष्ट्रीय केला अनुसंधान केंद्र (एनआरसीबी), त्रिची के सहयोग से, वर्ष 2022 में त्रिची में जीआई और पारंपरिक केले की किस्मों पर एक राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला आयोजित की गई।

viii. वर्ष 2024-25 के दौरान, तमिलनाडु में विशेष रूप से केले के लिए 16 प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, जिनमें 2900 हितधारकों ने भाग लिया।

ix. केले के लिए बेहतर कृषि पद्धतियों (जीएपी) पर किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम क्रमशः वर्ष 2024 और वर्ष 2025 में थेनी और त्रिची क्लस्टरों में आयोजित किए गए।

भारत से, विशेष रूप से तमिलनाडु से, केले के निर्यात को बढ़ाने में आने वाली प्रमुख समस्याएं और चुनौतियां हैं, सामान्य रूप से भारतीय केले की किस्मों का आकार, विश्व स्तर पर लोकप्रिय किस्मों की तुलना में छोटा होना, जो कि बड़ी होती हैं, यूरोपीय संघ और रूस जैसे प्रमुख विकसित बाजारों से भौगोलिक दूरी के कारण लंबा पारगमन समय लगना, जिसके कारण गुणवत्ता

बनाए रखना कठिन हो जाता है, छोटे खेतों में गुणवत्ता संबंधी आवश्यकताओं का अनुपालन और यूरोपीय संघ जैसे प्रमुख बाजारों द्वारा लगाई गई कठोर फाइटो-सैनिटरी आवश्यकताएं।

इन समस्याओं और चुनौतियों का समाधान केले के लिए समुद्री प्रोटोकॉल के विकास, केले की विश्व स्तर पर स्वीकृत कैवेंडिश किस्म के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए हितधारकों को संवेदनशील बनाने गुणवत्ता संबंधी आवश्यकताओं के संबंध में किसानों को प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण और बेहतर कृषि पद्धतियों को अपनाने के माध्यम से किया जा रहा है।

व्यापार में उपलब्धियाँ हासिल करने पर निर्यातकों के लिए विशिष्ट निर्यात सब्सिडी के संबंध में, भारत सहित विश्व व्यापार संगठन के सभी सदस्य दिसंबर 2023 के बाद केले सहित कृषि वस्तुओं पर कोई निर्यात सब्सिडी प्रदान नहीं करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसमें वस्तुओं के विपणन और परिवहन के लिए दी जाने वाली सब्सिडी भी शामिल है।

इन प्रयासों और सभी हितधारकों के बीच सक्रिय सहयोग के परिणामस्वरूप, केले के निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो वर्ष 2022-23 से वर्ष 2024-25 की अवधि के दौरान मात्रा के संदर्भ में 128.54% और मूल्य के संदर्भ में 115.64% बढ़ी है।

विगत तीन वर्षों के दौरान भारत से केले के निर्यात के आंकड़े निम्नवत है।

भारत द्वारा विश्व को केले का निर्यात						
उत्पादों	**मूल्य मिलियन अमरीकी डॉलर में**			**मात्रा मीट्रिक टन में**		
	2022-23	**2023-24**	**2024-25**	**2022-23**	**2023-24**	**2024-25**
केले (अन्य केले, केला, ताज़ा/ठंडा सहित)	175.68	292.19	378.83	363135.13	598750.95	829903.93
स्रोत: डीजीसीआईएस						

******

भारत सरकार **लोक सभा**
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय **अतारांकित प्रश्न सं.1516**
वाणिज्य विभाग

दिनांक 29 जुलाई, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

केले के निर्यात को बढ़ावा देना

1516. श्री जी. सेल्वमः
श्री सी. एन. अन्नादुरईः

क्या **वाणिज्य और उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार केले के निर्यात को प्रोत्साहन और बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकारों, विशेषकर तमिलनाडु को सहायता प्रदान कर रही है;
(ख) यदि हाँ, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रदान की गई योजनाओं, क्षमता निर्माण कार्यक्रमों, अवसंरचना सहायता या निर्यात राजसहायता सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) पिछले तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष के दौरान भारत से निर्यात किए गए केलों की मात्रा और उससे अर्जित विदेशी मुद्रा का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;
(घ) भारत से, विशेषकर तमिलनाडु से केले के निर्यात को बढ़ाने में आने वाली प्रमुख चुनौतियाँ क्या हैं;
(ङ) क्या कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने तमिलनाडु से केले के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कोई विशेष कदम उठाए हैं;
(च) यदि हाँ, तो क्लस्टर विकास, निर्यातोन्मुखी प्रशिक्षण और आयोजित क्रेता-विक्रेता बैठकों का ब्यौरा क्या है; और
(छ) क्या तमिलनाडु से केले के निर्यात को समर्थन देने के लिए केला उत्पादकों और निर्यातकों को कोई वित्तीय सहायता या प्रोत्साहन प्रदान किया जा रहा है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जितिन प्रसाद)

(क) से (छ) वाणिज्य विभाग, कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के माध्यम से, अपनी वित्तीय सहायता योजना (एफएएस) के जरिए, केले सहित अपने अनुसूचित उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए तमिलनाडु सहित देश भर के निर्यातकों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है । इस योजना के तीन घटक हैं: निर्यात अवसंरचना का विकास,

गुणवत्ता विकास और बाज़ार विकास। योजना के दिशा-निर्देश एपीडा की वेबसाइट www.apeda.gov.in पर "स्कीम" टैब के तहत उपलब्ध हैं।

तमिलनाडु से केले के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित विशिष्ट कदम उठाए गए हैं:

i. केले सहित बागवानी उत्पादों के प्रसंस्करण के लिए तमिलनाडु में एक एकीकृत पैकहाउस की स्थापना हेतु एपीडा पंजीकृत निर्यातक को 94,21,637/- रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

ii. वर्ष 2022 में तमिलनाडु से ऑस्ट्रिया तक लाल केले के परीक्षण शिपमेंट के लिए सहायता प्रदान की गई।

iii. भारतीय दूतावास दोहा द्वारा वर्ष 2023 में, कतर में जीआई टैग प्राप्त विरुपाक्षी और सिरुमलाई केले प्रदर्शित किए गए थे।

iv. तमिलनाडु सहित भारतीय केले के प्रदर्शन और सैंपलिंग द्वारा एसआईएएल पेरिस, वर्ल्ड फूड मॉस्को, एशिया फ्रूट लॉजिस्टिका, हांगकांग जैसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेलों में प्रचार-प्रसार किया गया। इंडिया ब्रांड इक्विटी फाउंडेशन (आईबीईएफ) के सहयोग से प्रमुख अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेलों में केले सहित भारतीय फलों के प्रचार और ब्रांडिंग के लिए एक इलेक्ट्रॉनिक अभियान आयोजित किया जा रहा है।

v. भारतीय केले के लिए अवसरों का पता लगाने के लिए मॉस्को में एक क्रेता-विक्रेता बैठक और संवर्धनात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

vi. केले सहित फलों के निर्यात के लिए उत्पाद की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु एपीडा की पैक हाउस मान्यता योजना के अंतर्गत तमिलनाडु में दस पैक हाउस को मान्यता दी गई है।

vii राष्ट्रीय केला अनुसंधान केंद्र (एनआरसीबी), त्रिची के सहयोग से, वर्ष 2022 में त्रिची में जीआई और पारंपरिक केले की किस्मों पर एक राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला आयोजित की गई।

viii. वर्ष 2024-25 के दौरान, तमिलनाडु में विशेष रूप से केले के लिए 16 प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, जिनमें 2900 हितधारकों ने भाग लिया।

ix. केले के लिए बेहतर कृषि पद्धतियों (जीएपी) पर किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम क्रमशः वर्ष 2024 और वर्ष 2025 में थेनी और त्रिची क्लस्टरों में आयोजित किए गए।

भारत से, विशेष रूप से तमिलनाडु से, केले के निर्यात को बढ़ाने में आने वाली प्रमुख समस्याएं और चुनौतियां हैं, सामान्य रूप से भारतीय केले की किस्मों का आकार, विश्व स्तर पर लोकप्रिय किस्मों की तुलना में छोटा होना, जो कि बड़ी होती हैं, यूरोपीय संघ और रूस जैसे प्रमुख विकसित बाजारों से भौगोलिक दूरी के कारण लंबा पारगमन समय लगना, जिसके कारण गुणवत्ता

बनाए रखना कठिन हो जाता है, छोटे खेतों में गुणवत्ता संबंधी आवश्यकताओं का अनुपालन और यूरोपीय संघ जैसे प्रमुख बाजारों द्वारा लगाई गई कठोर फाइटो-सैनिटरी आवश्यकताएं।

इन समस्याओं और चुनौतियों का समाधान केले के लिए समुद्री प्रोटोकॉल के विकास, केले की विश्व स्तर पर स्वीकृत कैवेंडिश किस्म के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए हितधारकों को संवेदनशील बनाने गुणवत्ता संबंधी आवश्यकताओं के संबंध में किसानों को प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण और बेहतर कृषि पद्धतियों को अपनाने के माध्यम से किया जा रहा है।

व्यापार में उपलब्धियाँ हासिल करने पर निर्यातकों के लिए विशिष्ट निर्यात सब्सिडी के संबंध में, भारत सहित विश्व व्यापार संगठन के सभी सदस्य दिसंबर 2023 के बाद केले सहित कृषि वस्तुओं पर कोई निर्यात सब्सिडी प्रदान नहीं करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसमें वस्तुओं के विपणन और परिवहन के लिए दी जाने वाली सब्सिडी भी शामिल है।

इन प्रयासों और सभी हितधारकों के बीच सक्रिय सहयोग के परिणामस्वरूप, केले के निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो वर्ष 2022-23 से वर्ष 2024-25 की अवधि के दौरान मात्रा के संदर्भ में 128.54% और मूल्य के संदर्भ में 115.64% बढ़ी है।

विगत तीन वर्षों के दौरान भारत से केले के निर्यात के आंकड़े निम्नवत है।

भारत द्वारा विश्व को केले का निर्यात						
उत्पादों	**मूल्य मिलियन अमरीकी डॉलर में**			**मात्रा मीट्रिक टन में**		
	2022-23	**2023-24**	**2024-25**	**2022-23**	**2023-24**	**2024-25**
केले (अन्य केले, केला, ताज़ा/ठंडा सहित)	175.68	292.19	378.83	363135.13	598750.95	829903.93
स्रोत: डीजीसीआईएस						

******